

I 2683

UNIVERSITY OF CHICAGO

ॐ नमः कृमा माय ॐ मा नम
दाग देस्यः थन आनि वदि
न१ मास१ वष२ माग वष३
तय वः वविताय वः डथ२ रदि
थी कन वय वः ताल साय वः

युत स्याय वः यिना वः नयन वः मी वः का सस्या
मिवः सन्ति विधा वः ताथा ताया वादया वः ज
वम० जत सनृथा वः मिव डडमः लागः यतायः
वमिवः नृकैका विः थः कृपः रुस सत वा ड वस सत
ववसः दू दू ६ क सथ ना रुस सव सिया ता हा म वम

पुष्पिका पत्रका मनुष्या देववसिष्ठिय दित ३३ त
 साखना सानः डा विष्णुनि १५ त कथाने १ व सत १६
 माव स सायं काय दिस क व थ न सिव पुजा ख स प
 ३११ साल १ व ड मा स म ता विय वि थ पुजा हल म
 नुपुजा थ त सानि के म या म मा त स य ॥ ॥

ॐ नमो गायत्री नमः ॥
 २ ॐ नमो गायत्री नमः ॥
 ३ ॐ नमो गायत्री नमः ॥
 ४ ॐ नमो गायत्री नमः ॥

ॐ सुनद्याग्रहस्त्री धन ३१
 निवदिन २ मा स न २ व २
 द्वायी ३१ न व २ व २
 ध्यात स्या क द सिव मि
 स्वा स्या क द सिव ग्या क सि

न सवंधा दमः दृष्टमत्र कः उथा ररुयः सान्निविधा
 आवमतततसः सतन नृथः इडमः शिनमात्रा
 गः पुतयः नृपिवशिनः दससः शीः म्वा तः इवसवाकु
 खवसः थः ७ कसदृष्टः थः नकारवना सादासासं ७
 का विरवृति दिगदधिनसः खसयर्ज ११ क ११ खान १

सिवयुजा कुमात्रिरुजा स नृमानुयुजा ॥ ५५ ॥ वत्रि ॥ वि
यिदिन १३ राक्षसुमावता ॥ ५६ ॥ मलस ॥ ५७ ॥ सुयावता
॥ ५८ ॥ ॥ ॥

ॐ यत्र ताग्रहस्यार्थन आति
वदिन ३ मास ३ कपन खयव
कनयय लुगत्र सर्वथा व्या
यत्रयनतायुव सान्निविषा
खयिताभीतायावान् ग्रवम

वा
यत्रतसत्रय समस्तकाद्वयव्यत्रयादाव उरुम
स्वानदागम युताय व्यालु रूससस्वान ७ कसतवा
उवसथ खवसवत्रा ७ कससाधय नकापत्रका ध्वन
निम्ब मनुकुं वल्लसासाय कत्रितदस्तानिगि प्रनदनर
द्वसुसखानिकुफयवरयुगनागुदातदिनर स्वादा

कुसुमाक्षन उमा उयतु ज्ञायता कुसुयनि दक्षिण
येत खसपुर् ११ क ११ दग्गिसमत वडा हनुम
नं पुडा माकदेव पुडा ११ यति ११ यत्र ११ ददव
त्रिवियनि न ११ ता दा ११ थ कायमाल इश सा
निकमयाय थ नय ॥ ॥

ॐ मूरवमलिकास्थी थ नश
निवदिन ५ मास ५ वर्ष ५
लो गवा तस्या क का सग्गिस
आलनपुयव लुगतमलिक
कुडपयव मिखास्या क ११

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ग्रामसंयन्त्रि ॥ सान्निविष्टि ॥ ख
 ॐ ताथा ताया वा न ॥ ज्ञव म० ॥ त स नृथ ॥ समं स
 ॐ दू ॥ श्विन ॥ इ ॥ इ ॥ सान ॥ हा ॥ ग ॥ य ॥ व ॥ दू ॥ स ॥ स
 ते ॥ वा ॥ इ ॥ व ॥ स ॥ श्विन ॥ ख ॥ व ॥ स ॥ थ ॥ ० ॥ क ॥ स ॥ ति ॥ ना ॥ ध ॥ य ॥
 वि ॥ श्र ॥ ति ॥ म ॥ नृ ॥ क ॥ या ॥ शि ॥ व ॥ स ॥ श्विन ॥ नृ ॥ का ॥ य ॥ का ॥ न ॥ वि

यु३ मता ८ क स वि य २ दि ग द खि न स ता थ म कु
ॐ म र व म न्ति का ग हं मा न्ति क र १ सा सा ३ आ ग वि
त ५ त् वि व लं का त स र वा त १ क उ थ ५ मा हा
का ल वृ ज्ञा र व स वृ डी ॥ व ति ॥ अ न वृ ज्ञा
मा य मा त इ ५ आ ॥ ॥ ध य थ व द मा न या इ ५ ॥

127.
12 gravans

सुभाष चन्द्र बोस
2683

I

ASHA ARCHIVES



ॐ विद्या नय हं श्रीं धनं
निव । दिन ५ मा ५ व लव
कृत्वा गाल सायिव । जति
सात । फात्क । न सा मनव
मरव प्रा क । रा सजा न । क वृ

दय सा नि वि धा । र्वयिता । थी ता या चा द या
व । श्रव म ० ज्ञा स नृ थ । सम स कृ द्वा ग्म ल । द
ग म प ता य । इ उ म ग्म न । रु स स ख त । उ व स । सा
ख व स कृ ति । ० क स । थ । ता । रु स स व त्रि वा त । थ
य । १ का य त का । फा स ख या न यि प्र ३ सा स । वि र व

त्रि० ६ क समता २ म नु ॐ वि दान ग द सी सा
 निक न २५ अ सा ३ दि स उ तु ल थ न पि थी पू डा
 वि ल म क य डा व स ना ग य ड द न म नु प
 डा ख स य ड रे प ति इ द दे व त्रि वि म दि न ३ य
 त डा न न य मि व ख य मा त ॥ ॥

१ स न ह ति न मः स न ह ति न मः ॥ ॐ स कृ नि का ग द सी सा २ थ
 यु नी मः ॥ शा न म ल मी न मः ॥ न डा नि व दि न ७ मा स ९
 को म लिल मः ॥ इ न वा य न मः ॥ व र व ॥ ला ग मि र वा स का थ
 स द रा न मः ॥ ग म द द्रु त् ग म द नृ ति सा न
 इ म व थ न व मि व सि क र्थ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सा नि वि रि ख ॐ गा थी ता या वा न न
अ न्न व म ० अ त स ॥ रा ग ॥ पु ता य ॥ ध न ॥ उ उ म ॥ द्वा
द ॥ य ॥ ध न ॥ रु स स ॥ ध ॥ ध ॥ उ व स द द ॥ ख व स ॥ थ ॥
ॐ स म गा ॥ अ व न ॥ व त्रि या त ॥ ध ॥ न ॥ ध ॥ म ॥ न ॥
॥ दा ॥ ध ॥ य ॥ वि र्व लि ॥ स ॥ ला स ॥ वि वा या ॥ सु ॥ न ॥ सि ॥

ॐ मा या ॥ या ॥ ध ति क्थ ॥ दा व ॥ सा सा य ॥ ध य ॥ ३ ख स
य ॥ ३ ॥ य ति ॥ १ ॥ य त ॥ १ ॥ स न ॥ म न ॥ य ॥ ३ ॥ ध ॥ ध ॥ स ॥ द
॥ द व ति क्ष ॥ १ ॥ अ न ॥ य ॥ ३ ॥ म न ॥ ३ ॥ ३ ॥ स क नि ग ॥ द ॥ र ॥
सा नि क्त्र ॥ ३ ॥ स्वा दा ॥ य ॥ व स ॥ द ॥ लि न ॥ स ॥ वि य ॥ दि ग ॥
वा द्धि स ॥ वि य ॥ मा न ॥ स ॥ क नि का ग ॥ द ॥ ॥ ॥

ॐ नृकृत्तिकागृहस्थी
धनउनिवदिन॥मा
स॥वख॥स्त्राययव
सामनव॥रुस्थाक
वतायाहंतर्ध॥यित्ता

क॥नृकृत्तिगृह॥सानि॥ख॥ताथीतायावान
त्रावम० नृतसन्ध॥समस्तकदाकु॥यचात्र॥रु
ग॥यताय॥स्त्रान॥उक्रम॥रुससमात॥उवसमा
स॥खवस॥ता॥६कस॥ध॥रुसससात्र॥वत्रियात॥१
मता॥६कस॥२५॥य॥भसया॥सु॥यकृत्तिससाद

सु. प्रका. प्रका. माकत्रया. सा. विष्णु. सुतना
हं. दिगदक्षित. वनद्वि. वि. मनु. कुतभा
वृखर्तधडा. यदा. स. वि. यत्र. त. द. सु. प्य. ना. ल. न
दिव्य. प्रा. य. पि. सा. नृ. थ. कु. त्वा. ता. त्व. ता. म. न. क. गो
ति. वा. न. क. स. स. त्र. ति. रु. व. ति. न. म. स्या. मि. मू. र्क

व. न. क. स. स. ३. गो. ग. मि. र. वा. स. ग. न. स. ७. भ. सा
न. स. स. ग. त. स. न. म. नृ. य. डा. वि. ना. थ. क. यं. डा. थ. ति
सान्नि. वि. वि. ॥ ॥

ॐ इमूकाग हस्ती २ थनडा
निब। दिन ८ मास ८ वख ८
कुतन गालसायुव न साम
नय। का तय। खायिव। मि
खास। ग हदायुव। इमूका

गुह २ सानि। युवाकियु। का याव। ताकू कं। दि याव।
नय। तामय हल। काग। युताय। गगन। इडम। खा २
नकावके। इवस। का। खवसु। थ। ६ कस दूद। समय
काय। मताविय २। नन जूव विममात्र। गतद। थनककि
थनकाय। पय। कस नहा। गारव ७। सहास। कसखा

